Vidya Bhawan, Balika Vidyapith
Shakti Utthan Ashram, Lakhisarai-811311(Bihar)

Class - XI
Subject : Music

Teacher's name : Partha Sarkar
Date - 14.09.2021

STUDY METEREAL BASED ON NCERT

Komal Swar in Music / कोमल स्वर

जब कोई स्वर अपनी निश्चित स्थान से नीचा होता है तो उसे कोमल कहते हैं । **जैसे – रे , ग , ध , नि** । पंडित विष्णु दिगंबर स्वर लिपि पद्धति के अनुसार , कोमल स्वरों को लिखने के लिए उस स्वर के नीचे एक रेखा खेची जाती है यह दिखाता है की ये स्वर कोमल स्वर है

Teevra Swar in Music / तीव्र स्वर

तीव्र – जब कोई स्वर अपनी निश्चित स्थान से ऊपर होता है तो उसे तीव्र स्वर कहते हैं । **जैसे – मं** पंडित विष्णु दिगंबर स्वर लिपि पद्धति के अनुसार , तीव्र स्वर को लिखने के लिए उस स्वर के उपर एक रेखा खेची जाती है यह दिखाता है की ये स्वर तीव्र स्वर है

स्वरों को एक और द्रष्टिकोण से विभाजित किया गया है –

- **चल स्वर**
- **अचल स्वर**

Chal swars in Music / चल स्वर की परिभाषा –

जो स्वर शुद्ध होने के साथ-साथ विकृत (कोमल और तीव्र) भी हटे हैं। **जैसे – रे , ग म , ध और नि वे** चल स्वर कहलते हैं।

Achal Swar in Music / अचल स्वर

अचल स्वर – जो स्वर सदैव शुद्ध होते हैं , विकृत कभी नहीं होते अचल स्वर कहलते हैं , क्योंकि ये अपने स्थान पर अडिग रहते हैं। न तो ये कोमल होते हैं और न तीव्र होते हैं। ये सदैव शुद्ध रहते हैं।

जैसे – सा , प